myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

संकलित परीक्षा -2 (2015-16)

हिंदी 'ब'

कक्षा -IX(Sample Paper-II)

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 90

निर्देश:

(1) इस प्रश्न -पत्र के चार खंड हैं-क,ख,ग,घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर कमश: दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

प्रश्न 1 निम्नलिखित गदयांश को ध्यानपूवेक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर 5×1=5 लिखिए।

भारत में जनसंख्या की तीव्र गति होने वाली वृदधि के लिए कई कारण उत्तरदायी हैं ।जन्मदर में वृदधि और मृत्युदर में कमी तो है ही ,इसके अतिरिक्त अन्य कारण भी जन्म वृदधि के लिए उत्तरदायी हैं।जन्मदर की वृदधि के पीछे अनेक आर्थिक और आर्थिकेत्तर बातों का हाथ रहा है।
निर्धनता ,अशिक्षा, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता आदि विशेष रूप से जनसंख्या वृदधि के लिए उत्तरदायी हैं।निर्धन व्यक्तियों का कोई विशेष जीवन स्तर नहीं होता।वे अपने बच्चों की उचित शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था भी नहीं कर पाते।बच्चों के पालन-पोषण और शिक्षा की ओर वे ध्यान नहीं दे पाते।
भारत में विवाह प्रथा एक अनिवार्य सामाजिक बंधन है।धर्म के अनुसार संतानहीन व्यक्ति की मुक्ति नहीं होती अथवा वंश -वृदधि के लिए पुत्र का होना आवश्यक है।इन्हीं सब बातों के कारण अनिवार्य विवाह पर बल दिया गया है।विवाह प्रथा के व्यापक चलन के अतिरिक्त अल्प आयु में विवाह होने पर प्रजनन का कार्य शीघ्र आरंभ हो जाता है।भारत में मृत्यु दर में कमी होने और जन्मदर में निरंतर वृदधि होते रहने के कारण जनसंख्या में तीव्र गति से वृदधि हो रही है।1921 के बाद भारत की जनसंख्या में तेज़ी से वृदधि हुई है।

प्रश्न क भारत में जनसंख्या की वृदधि के लिए कौन उत्तरदायी कारण है ?

(i) मृत्युदर में वृदधि,जन्मदर में कमी
(ii) जन्मदर में वृदधि, मृत्युदर में कमी
(iii) मृत्युदर और जन्मदर का स्थिर होना
(iv) मृत्युदर और जन्मदर में वृदधि

प्रश्न ख भारत में विवाह प्रथा कैसा बंधन है?

(i) राष्ट्रीय बंधन
(ii) भावुक बंधन
(iii) सामाजिक बंधन
(iv) धार्मिक बंधन

Material downloaded from http://myCBSEguide.com and http://onlineteachers.co.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

प्रश्न ग भारत में वंश-वृद्धि के लिए किसे आवश्यक माना जाता है?

(i) पुत्री को
(ii) पुत्र को
(iii) पुत्र और पुत्री दोनों
(iv) निकट संबंधी

प्रश्न घ निर्धन व्यक्तियों का जीवन स्तर कैसा होता है?

(i) खुशहाल
(ii) विशेष नहीं होता है
(iii) विशेष होता है
(iv) सरकार पर निर्भर करता है

प्रश्न ङ कैसे व्यक्ति की मुक्ति नहीं होती ?

(i) निर्धन व्यक्ति
(ii) बुरे कर्म करने वाले की
(iii) विवाहित
(iv) संतानहीन

प्रश्न 2 निम्नलिखित गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5×1=5

आज स्थिति बदल गई है। आज के युग में भौतिकता का बोलबाला है। नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है, प्रदर्शनप्रियता ही जीवन-शैली बन गई है। आज दुर्भाग्य से मनुष्य की प्रतिष्ठा का आधार मानवीय गुण न होकर धन-संपत्ति हो गए हैं। जिस व्यक्ति के पास धन- संपत्ति का अभाव है, वह गुणी होते हुए भी समाज में आदर नहीं पाता है। आज समाज में धनी की पूजा होती है। आज उसी का रुतबा है तथा हर जगह उसी की पूछ है। इससे बड़े आश्चर्य की क्या हो सकती है कि धार्मिक स्थलों पर भी धनी लोगों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखा जा सकता है। आज हमारी सोच एवम् दृष्टिकोण इस हद तक दूषित हो चुके है कि नैतिक मूल्यों की अनदेखी होने लगी है। समाज में जिस प्रकार छल -कपट, बेईमानी, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, तस्करी, कालाबाज़ारी, जैसी बुराइयाँ बढ़ती जा रही हैं उसके लिए कहीं -न-कहीं धन प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। आज के समाज में हर स्तर पर धन का बोलबाला है। धर्म , राजनीति, शिक्षा, साहित्य जैसे सभी क्षेत्रों में धन का व्यापक प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। धनी लोग अपने बच्चों को अच्छे विद्यालयों में पढ़ने भेजते हैं, राजनीति में धनी लोग ही प्रवेश करते हैं। बड़े-बड़े समारोहों एवम् आयोजनों में धनिकों का गुणगान किया जाता है, जिसे देखकर इस कथन पर विश्वास करना पड़ता है - 'सर्वेगुणा कांचनमाश्रयंति' आज धन के आधार पर ही अमेरिका की तूती विश्व में बोलती है।

प्रश्न क आज जीवन -शैली में प्रमुखता किसकी है ?

(i) धन की
(ii) प्रदर्शनप्रियता की
(iii) मिथ्या अहंकार
(iv) स्वार्थ की

प्रश्न ख कैसा व्यक्ति गुणी होते हुए भी आदर नहीं पाता?

(i) धनहीन
(ii) अंहकारी
(iii) लोभी
(iv) निम्न जाति का

Material downloaded from http://myCBSEguide.com and http://onlineteachers.co.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

प्रश्न ग नैतिक मूल्यों के पतन हो का क्या कारण है ?

(i) भौतिकता का बोलबाला
(ii) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
(iii) सोच एवम् दृष्टिकोण का दूषित होना
(iv) भ्रष्टाचार एवम् स्वार्थ

प्रश्न घ किस क्षेत्र में आज भी धन प्रभाव नहीं है ?

(i) राजनीति
(ii) शिक्षा
(iii) धर्म
(iv) इनमें से कोई भी नहीं

प्रश्न ङ अमेरिका का विश्व में वर्चस्व है -

(i) सैन्य शक्ति के कारण
(ii) उच्च जीवन स्तर के कारण
(iii) धन के कारण
(iv) औद्योगिक क्रांति के कारण

प्रश्न 3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूवेक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5×1=5

सच है , विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक भी नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।
मुँह से कभी न उफ़ करते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते हैं,
उद्योग- निरत नित रहते हैं,
शूलों का मूल नसाते हैं, बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं।
है कौन ऐसा विघ्न जग में ,टिक सके आदमी के मग में?
खम ठोंक ठेलता है जब नर,पर्वत जाते पाँव उखड़,
जब मानव ज़ोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।

प्रश्न क विपत्ति आकर किसको दहलाती है?

(i) आलसी को
(ii) अज्ञानी को
(iii) पापी को
(iv) कायर को

प्रश्न ख विपत्ति के आने पर कौन विचलित नहीं होता?

(i) विद्वान
(ii) सूरमा

(iii) देशभक्त (iv) बुद्धिजीवी

प्रश्न ग काँटों में कौन राह बना सकता है?

(i) मनुष्य (ii) युवा-वर्ग
(iii) कर्मवीर (iv) नेतागण

प्रश्न घ मानव जब ताकत लगाता है, तो क्या होता है?

(i) पानी-पानी हो जाता है। (ii) पानी ही रह जाता है।
(iii) पत्थर पानी बन जाता है। (iv) पर्वत छोटे पड़ जाते हैं।

प्रश्न ङ प्रस्तुत काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा-

(i) विपत्ति जब आती है (ii) काँटों की राह
(iii) शूलों का मूल (iv) पाँव उखड़ना

प्रश्न 4 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूवेक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

चुपचाप चमकते तारों ,
महफ़िल जब रात सजाती है।
जब चाँद शान से उगता है,
'औ' दिशा-दिशा धुल जाती है।
जब ओस- रूप में हरी घास,
चमकीले मोती पाती है।
हे जग के सिरजनहार प्रभो!
तब याद तुम्हारी आती है।।
झरने जब झर-झर झरते हैं,
नदियाँ मस्ती में बहती हैं।
जब देश देश की बातें वे,
सागर से जाकर कहती हैं।
जब उतर चाँदनी से,
सागर ज्वर उठाती है।
हे जग के सिरजनहार प्रभो!
तब याद तुम्हारी आती है।।

प्रश्न क चमकते तारों की महफ़िल कौन सजाता है?

(i) रात सजाती है (ii) तारे सजाते हैं
(iii) चंदा सजाता है (iv) चुपचाप तारे सजाते हैं

प्रश्न ख आसमान में चाँद के उगने से क्या होता है?

(i) दिशा-दिशा धुल जाती है (ii) चाँदनी फैल जाती है
(iii) सब प्रसन्न हो जाते हैं (iv) दिशा-दिशा गूँजती है।

प्रश्न ग **देश- देश की की बातें सागर से कौन कहता है?**

(i) झरने (ii) नदियाँ
(iii) हवाएँ (iv) चाँदनी

प्रश्न घ **कवि को प्रकृति का अलौकिक सौंदर्य देखकर किसकी याद आती है?**

(i) पालनहार (ii) सिरजनहार
(iii) निर्माणकर्ता (iv) माता-पिता

प्रश्न ङ **काव्यांश का सही शीर्षक छाँटिए -**

(i) चमकते तारे (ii) सिरजनहार
(iii) हे जग के सिरजनहार (iv) याद तुम्हारी आती है

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 5 निम्नलिखित शब्दों के वर्ण विच्छेद कीजिए ः- **2+1+1 = 5**

क) वाद्ययंत्र , संस्कृति

ख) 'पण्डित ' शब्द में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए-

ग) 'कलाए' ,'पाचवा' में उचित स्थान पर अनुनासिक शब्द लगाइए

घ) 'जमानत' ,'रोजना','तनख्वाह' में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए

प्रश्न 6 **2×2=4**

क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए

रेखा+अंकित पौ+अक

ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए

एकैक सूक्ति

प्रश्न 7 **3+3=6**

क) निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिएः

(i) अरे बादल घिरने लगे
(ii) मैथिलीशरण गुप्त ने साकेत महाकाव्य लिखा है
(iii) डॉ ने कहा कि मरीज को बचा लिया गया है

Material downloaded from http://myCBSEguide.com and http://onlineteachers.co.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

प्रश्न 7 निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय से मूल शब्द अलग करके लिखिएः
ख)

(i) सरताज
(ii) अभिराम
(iii) लिखावट
(iv) शारीरिक

खण्ड ग

(पाठ्य- पुस्तक)

प्रश्न 8 **पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः** **2+2+1=5**

(i) 'रामन् की भारतीय संस्कृति के प्रति गहन आस्था थी' स्पष्ट कीजिए -
(ii) मनुष्य को क्या ज्ञान होता कि जिससे वह कीचड़ का तिरस्कार नहीं करता ?
(iii) लेखक के अनुसार भारत वर्ष में नित प्रति होने बढ़ने झगड़े कब कम हो सकते हैं?

प्रश्न 9 'महादेव भाई एक साधारण व्यक्ति होते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे ।' इस कथन के आधार पर 'शुक्रतारे के समान ' में वर्णित उनके व्यक्तित्व व चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। **5**

अथवा

'धर्म की आड़' पाठ में गणेश शंकर विद्यार्थी ने किन लोगों के द्वारा नेतृत्व और बड़प्पन कायम रखने के लिए साधारण लोगों को गुमराह करके अपने स्वार्थ पूरा करने बात कही है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः** **5**

देश की स्वतंत्रता के लिए जो उद्योग किया जा रहा था, उसका वह दिन निःसंदेह अत्यंत बुरा था,उस दिन ,स्वाधीनता के क्षेत्र में ख़िलाफ़त, मुल्ला, मौलवियों और धर्माचार्यों को स्थान दिया जाना आवश्यक समझा गया। एक प्रकार से उस दिन हमने स्वाधीनता के क्षेत्र में, एक कदम पीछे हटकर रखा था। अपने उसी पाप का फल आज हमें भोगना पड़ रहा है। देश को स्वाधीनता के संग्राम ने मौलाना अब्दुल बारी और शंकराचार्य को देश के सामने दूसरे रूप में पेश किया, उन्हें अधिक शक्तिशाली बना दिया और हमारे इस काम का फल यह हुआ कि इस समय , हमारे हाथों ही से बढ़ाई इनकी और इनके से लोगों की शक्तियाँ हमारी जड़ उखाड़ने और देश में मज़हबी पागलपन, प्रपंच और उत्पात का राज्य स्थापित कर रही है।

(i) देश की स्वतंत्रता के लिए कौन-सा दिन निःसंदेह अत्यंत बुरा था ?
(ii) जब मौलाना अब्दुल बारी और शंकराचार्य के हाथों में शक्ति आ गई तो उन्होंने इस शक्ति का इस्तेमाल किस तरह किया ?
(iii) 'पाप' शब्द का विलोम और 'फल'शब्द का अर्थ लिखिए ?

प्रश्न 11 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **5**

(i) कवि ने मंदिर की भव्यता का चित्रण किस प्रकार से किया है ?
(ii) 'अग्निपथ' कविता में कवि ने मनुष्य से किस बात की शपथ लेने का आग्रह किया है ?
(iii) गुलाब नदी को बहते देखकर किस पीड़ा का अनुभव करता है?

Material downloaded from http://myCBSEguide.com and http://onlineteachers.co.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

प्रश्न 12 'खुशबू रचते हैं हाथ ' कविता में कवि ने समाज के अगरबत्तियाँ बनाने वाले श्रमिक वर्ग की दयनीय को चित्रित किया है, इस कथन के आधार पर उनके सामाजिक व आर्थिक जीवन का वर्णन कीजिए। 5

प्रश्न 13 'दिये जल उठे'पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालीन सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है? 5

अथवा

'काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता ।' इस कथन के आधार पर हामिद खाँ के इस कथन के आलोक में धार्मिक मूल्यों की समीक्षा कीजिए।

खण्ड घ

(रचना- भाग)

प्रश्न 14 किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए 5

(i) **पराधीन सपनेहूँ सुख नाहीं**

संकेत बिन्दु ः1) पराधीनता का अर्थ 2) पराधीनता दुखों का आधार 3) पराधीन व्यक्ति द्वारा सुख की कल्पना करना व्यर्थ 4) पराधीनता एक अभिशाप 5) स्वतंत्रता का महत्त्व

(ii) **छात्रों में अनुशासनहीनता**

संकेत बिन्दु ः1) अनुशासन का अर्थ 2) प्रकृति में अनुशासन 3) आजकल विद्यार्थियों में बढ़ती में अनुशासनहीनता 4) कारण व प्रभाव 5) जीवन में सफलता के लिए अनुशासन अनिवार्य

(iii) **भारतीय समाज में नारी**

संकेत बिन्दु ः1) नारी सृष्टि का आधार 2) आधुनिक समय में नारी के बढ़ती जिम्मेवारियाँ 3)घर और कार्यलय में भूमिका 4) वर्तमान में स्थिति 5) नारी सशक्तिकरण

प्रश्न 15 विदेश में रहने वाले अपने मित्र को अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर आमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखिए। 5

प्रश्न 16 दिए गए चित्र के आधार पर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।विचारों वर्णन स्पष्ट रूप से ही संबंध होना चाहिए दिनचर्या का वर्णन करते हुए। 5

प्रश्न 17 परीक्षाओं में अच्छी सफलता पाने की योजनाओं के संबंध में दो छात्रों की बातचीत लिखिए। 5

प्रश्न 18 आपके शहर में नया मल्टीस्पैशल अस्पताल खुल रहा है ,उसके प्रचार हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

Material downloaded from http://myCBSEguide.com and http://onlineteachers.co.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks